दैनिक अमर उजाला 3/10/25

सेक्टर-46 में 101 फीट के रावण के पुतले का दहन किया गया। अमर उजाला

सेक्टर 46 में भव्य आयोजन, पंजाब के राज्यपाल रहे मुख्य अतिथि: सेक्टर 46 में श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी द्वारा आयोजित दशहरे में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस आयोजन में 101 फीट ऊंचे रावण, 95 फीट के कुंभकर्ण और 90 फीट के मेघनाद का पुतला दहन किया गया। श्री बद्री केदार रामलीला कमेटी के कलाकारों ने भव्य शोभायात्रा निकाली। कमेटी के चेयरमैन भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान भगवान की आरती उतारी गई और पुष्पवर्षा की गई। दशहरा कमेटी के प्रधान नरिंदर भाटिया और महासचिव सुशील सोवत ने बताया कि सोने की लंका दहन के साथ रावण के पुतले की घूमती गर्दन और चेहरा व नाभि से निकलती अमृत कुंड की धारा आकर्षण का केंद्र रही।

रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों को स्टेज से रिमोट के जरिए दहन किया गया। जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी, सेक्टर 32 के उपाध्यक्ष प्रोफेसर सिदार्थ शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

चंडीगढ़ रत्न अवार्ड से सम्मानित हुए डॉ. संदीप बंसल और मोनिका शर्मा: दशहरा ग्राउंड के मंच पर पीजीआई चंडीगढ़ के डॉ. संदीप बंसल और पीएमएल एसडी पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका शर्मा को ''चंडीगढ़ रत्न अवार्ड'' से सम्मानित किया गया।

बच्चों के लिए विशेष मनोरंजन: दशहरा मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। मिकी माउस, डोरेमॉन जैसे कार्टून किरदारों ने बच्चों को टॉफियां बांटीं। मेले में बच्चों को तीर

चंडीगढ़ आस्था 2-10-25

35 जगहों पर रावण दहन के बड़े आयोजन, सेक्टर-46 में 101 फीट का रावण जलेगा

कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे

सिटी रिपोर्टर|चंडीगढ़

विजयादशमी का पर्व आज पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाया जाएगा। वीरवार को शहरभर में भव्य दशहरा समारोह आयोजित होंगे। इस मौके पर लगभग 35 स्थानों पर विभिन्न रामलीला कमेटियों द्वारा रावण दहन किया जाएगा, जबकि गली-मोहल्लों में भी करीब 25 स्थानों पर छोटे स्तर पर रावण दहन होगा।

श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी, सेक्टर-46 द्वारा आयोजित शहर के सबसे बड़े दशहरा कार्यक्रम में इस बार सोने की लंका व 101 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन होगा। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी सेक्टर 46 चडीगढ़ की ओर से बड़ी धूमधाम और श्रद्धा से मनाया जा रहा है। सेक्टर-46 के दशहरा ग्राउंड में श्री सनातन धर्म मंदिर कमेटी की ओर से यह आयोजन किया जाएगा। कमेटी के चीफ पैट्रन कम चेयरमैन जतिन्दर भाटिया, प्रधान नरिंदर भाटिया तथा महासचिव सुशील सोवत व अन्य मेंबरों ने बताया कि उनकी कमेटी की ओर से आयोजित किये जा रहे इस 28वें आयोजन में इस बार सोने की लंका दहन के साथ साथ रावण दहन के दौरान रथ पर सवार रावण के पुतले की घूमती हुई गर्दन व चेहरा और नाभि में से निकलती हुई अमृत कुंड की धारा तथा स्टेज से ही रावण, मेघनाद और कुम्भ कर्ण के पुतलों को रिमोट से अग्नि देना खास आकर्षण का केंद्र होंगे। चंडीगढ़ में सबसे ऊंचा रावण का पुतला 101 फुट, मेघनाद का पुतला 95 और कुंभकर्ण का पुतला 90 फुट ऊंचाई का बनाया गया है।

परेड ग्राउंड में दूसरा बड़ा रावण दहन

परेड ग्राउंड सेक्टर-17 चंडीगढ़ की ओर परेड ग्राउंड में दूसरा बड़ा रावण दहन किया जाएगा। यहां इस दौरान प्री रिकार्डेड संवाद होंगे। दशहरा कमेटी की ओर से दशहरा मेले में आने वाले बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष कार्टून करेक्टरस, जैसे की मिकी माउस व डोरेमोन आदि बच्चों को टॉफियां बांटेंगे और मेले में बच्चों को तीरकमान, गदा तथा तलवारें आदि खिलौने भी बांटे जाएंगे। दोपहर दो बजे विशाल शोभा निकाली जाएगी। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने रावण दहन स्थल पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं। भीड़ नियंत्रण, मार्ग संचालन और अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रबंध किए गए हैं ताकि आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हो सके।

Chandigarh Tribune 2-10-25

Celebrations to see a high in Sec 46

DUSHYANT SINGH PUNDIR
TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, OCTOBER 1

Preparations are in full swing for grand Dasehra celebrations on October 2. The city is set to witness the burning of its tallest Ravana effigy — a towering 101-ft structure — erected at Sector 46 by the Shri Sanatan Dharma Dasehra Committee, along with 95-ft Meghnad and 90-ft Kumbhakarna effigies.

Committee chairman Jatinder Bhatia said the celebrations will feature several unique elements. "The Ravana effigy has been designed with a rotating neck and face, riding on a chariot. The 'Amrit Kund' stream

Effigies to be burnt at 75 sites across UT

emanating from his navel and the remote-lighting of the three effigies from the stage will be key highlights," he added.

Apart from the burning of a dazzling "Sone ki Lanka", eco-friendly aerial fireworks have been planned. The effigies were prepared by nearly 10-12 Muslim artisans having 28 years of experience.

Punjab Governor and UT Administrator Gulab Chand Kataria will be the chief guest at the event tomorrow, while Deputy Commissioner Nishant Kumar Yadav and UT Chief Engineer CB Ojha will attend as special guests. Several prominent figures, including educationists, engineers and doctors, will be guests of honour. This year, Dr Sandeep Bansal, ENT specialist, PGIMER, and Monika Sharma, Principal, PMLSD Public School, Sector 32, will be honoured with the 'Chandigarh Ratna' award for their contributions to society.

Bhatia said the celebrations, which attract nearly one lakh visitors from Chandigarh and neighbouring towns every year, had been a tradition for 27 years.

This year, Ravana 'dahan' will take place at 75 locations across the city.

Chandigarh Tribune 3.10.25

Suraj wins fencing gold

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, OCTOBER 2

Suraj of GGDSD College, Sector 32, claimed the men's Foil event during the opening day of the Chandigarh Sub Junior and Senior State Fencing Championship. Kamal Joshi of Government Model Senior Secondary School (GMSSS), Sector 10, finished at the second position, followed by Lalit Joshi and Prateek, who shared the third position.

In the women's Epee event, Purvasha of MCM Dav College, Sector 36, defeated Yashkeerat of Panjab University Campus to win the gold medal, Harleen Shahi of Gunjan claimed the joint third position.

Yashdeep Dhull of DAV Public School, Sector 8, claimed the boy's sub-junior gold medal, while Jayant of Ankur School, Panjab University, finished second and Manvik of St John's School, Sector 26, claimed the third position.

In the boys' Epee event, Dhruv of GMSSS, Sector 10, defeated Rabab Singh of Vivek High School, Sector 38, to claimed the gold medal. Rudraveer Gautam of St Stephen's School, Sector 45, claimed the third position.

Advika Dutta of Sacred Heart School, Sector 26, won the girls' sub junior Epee gold medal by defeating Irania of Carmel Covent School, Sector 9. Himadri and Vanshika claimed the joint third position.

In the girls' Epee event, Faniza of Sacred Heart School won the top spot by overpowering Sara of KB DAV School, Sector 7. Manreet Dhillon of Strawberry Fields High School, Sector 26, shared the third position with Simrapreet Kaur of St Kabir School, Sector 26.

In the Foil event, Hitashi of Carmel Convent defeated Kashvi Khan of DAV Model School, Sector 15, to clinch the first position. Nanki Baskhi of Sacred Heart School and Vidhi of GMSSS, Sector 10, won joint third position.

Chandigarh Tribune 3-10-25

Dasehra celebrated with religious fervour across UT

Effigies of Ravana, Meghnad, Kumbhakarna set afire amid 'Jai Shri Ram' chants

A view of the Dasehra celebrations at Sector 46 in Chandigarh on Thursday. TRIBUNE PHOTO: PARDEEP TEWARI

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, OCTOBER 2

The festival of Dasehra was celebrated with religious fervour and enthusiasm across the city. Thousands of residents gathered at various function venues to witness the symbolic burning of effigies of Ravana, Meghnad and Kumbhakarna, marking the victory of good over evil.

The celebrations at the Dasehra ground in Sector 46 drew massive crowds. The burning of the 'Sone ki Lanka' and the 101-ft effigy of Ravana was the centre of attraction.

Punjab Governor and UT Administrator Gulab Chand Kataria, who was the chief guest at the event, remotely lit the effigies amidst chants of 'Jai Shri Ram'.

Addressing the gathering, Kataria said the ideals of Lord Shri Ram gave the right direction to life. "Lord Rama resides within all of us. We only need to follow the path shown by him. Ramayana teaches us that success can be achieved only by walking the path of patience, dignity, brotherhood and truth," he said, urging people to remove evils from their lives and spread the message of love

CONTINUED ON BACK PAGE

दहन हुई रावण के अहंकार की ज्वाला

शहर में 30 से ज्यादा स्थानों पर जलाए रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले

नन्हा हनुमान लोगों से मिलता हुआ।

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : रावण का अहंकार आग की लपटों में सिमटकर खत्म हो गया। शहर में 30 से ज्यादा स्थानों पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए गए, जिसमें सबसे ऊंचा 101 फीट का रावण सेक्टर-46 स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर के सामने मैदान में जलाया गया। सेक्टर-46 में रावण के अलावा 90 और 95 फीट के कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले तैयार किए थे जिन्हें प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने दहन किया। सेक्टर-46 में श्री बद्री केदार रामलीला कमेटी के कलाकारों ने श्री राम की रथ पर सवार हो शोभायात्रा निकाली। सेक्टर-48 में न्यू श्री तिरुपति बालाजी संस्थान की तरफ से आयोजित रावण दहन में प्रशासक गुलाब चंद के साथ अतिरिक्त सालिसिटर जनरल सत्यपाल जैन, सांसद मनीष तिवारी और पूर्व मेयर देवेश मोदगिल ने भी शिरकत की।

चंडीगढ़ : सेक्टर-46 स्थित दशहरा ग्राउंड में रावण, कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया ● संजय धिल्डियाल

रावण दहन के लिए प्रशासक संग पहुंचे भारत के अतिरिक्त सालिसिटर जनरल सत्यपाल जैन, सांसद मनीष तिवारी और पूर्व मेयर देवेश मोदगिल ● आयोजक

एक रात पहले जलाया लेकिन दोबारा से तैयार किया 30 फीट का रावण

सेक्टर 30 में एक रात पहले जलाए गए रावण के पुतले को आयोजकों ने पुन: तैयार कर दहन किया। आयोजक कमेटी के सदस्य प्रेम गर्ग ने बताया कि रावण का सिर और अन्य भाग जीरकपुर में किसी कारीगर से प्राप्त कर जोड़कर नया पुतला बनाया गया। पुराना पुतला 60 फीट ऊंचा था, लेकिन कमेटी ने 32 फीट ऊंचा पुतला तैयार किया, जिसका दहन मेघनाद और कुंभकरण के साथ किया गया।

दैनिक जागरण 3/10/25

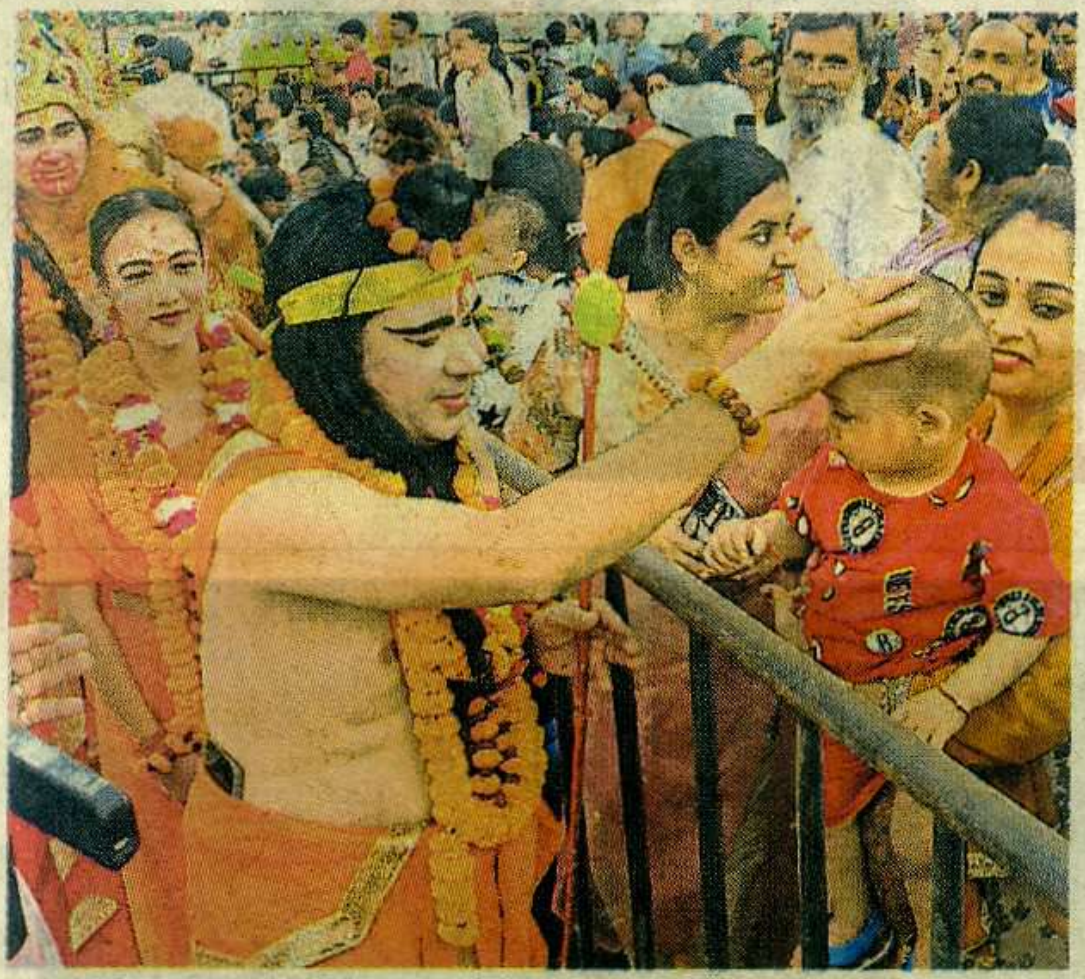

सेक्टर-46 स्थित दशहरा ग्राउंड में एक छोटे से बच्चे को आशीर्वाद देते भगवान राम ।

चंडीगढ़ : सेक्टर-46 स्थित दशहरा ग्राउंड में रावण, कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन करते भगवन श्रीराम • जागरण

दैनिक सवेरा 3/10/25

चंडीगढ़ सैक्टर-46 में 101 फीट के रावण का किया दहन

सवेरा न्यूज/नीना शर्मा

चंडीगढ़ 2 अक्टूबर : बुराई पर अच्छाई के जीत के प्रतीक दशहरा (विजयदशमी) के अवसर पर ह्यश्रीरामह्ल की जय-जयकार के साथ चंडीगढ़ के अलग-अलग हिस्सों में रावण के पुतले का दहन किया गया। जबरदस्त आतिशबाजी में रावण धुआं-धुआं हो गया। रावण के साथ मेघनाद और कुंभकरण के पुतले भी जलाए गए। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग विभिन्न जगहों पर जुटे रहे। चंडीगढ़ 46 में 101 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इसके अलावा 90 और 95 फीट मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों को भी दहन कर दिया गया। यहां चंडीगढ़ का सबसे ऊंचा रावण था। यहां के बाद सेक्टर 34 ग्राउंड में चंडीगढ़ का रावण का सबसे ऊंचा पुतला बनाया गया था। इसी प्रकार सेक्टर- 29, 30, 27, 24, 17, 43, 48 में भी रावण के साथ-साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन हुआ।

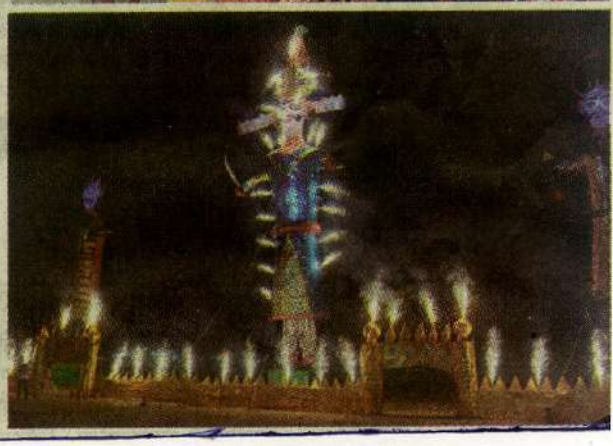

दैनिक ट्रिब्यून 2/10/25

ट्राईसिटी में विजयादशमी की धूम

पंचकूला में 180 फुट, चंडीगढ़ का 101 फुट के रावण के पुतले का होगा दहन

मनीमाजरा(चंडीगढ़), 1 अक्तूबर (हप्र)

पंचकूला सेक्टर-5 शालीमार ग्राउंड में 180 फुट ऊंचा रावण का पुतला दहन के लिए तैयार। -ट्रिब्यून फोटो

ट्राईसिटी में इस बार दशहरा उत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। पंचकूला, चंडीगढ़ और मोहाली में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन होगा। सबसे बड़ा आकर्षण पंचकूला के सेक्टर-5 शालीमार ग्राउंड का है, जहां 180 फुट ऊंचा रावण और 100-100 फुट ऊंचे कुंभकर्ण व मेघनाद पहली बार एक साथ दहन होंगे। करीब 30 से 50 लाख रुपये खर्च कर तैयार किए गए इन पुतलों को मोहम्मद उस्मान की टीम ने बनाया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-46 में 101 फुट का रावण, 95 फुट का मेघनाद और 90 फुट का कुंभकर्ण तैयार है। 'सोने की लंका' के विशेष आतिशबाजी शो और घूमती गर्दन वाला रावण यहां दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेगा। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। पूरे शहर में 75 स्थानों पर पुतले जलाए जाएंगे।

मोहाली में फेज-1, सेक्टर-79, 77, 70, 85, 105 और बलोंगी में दशहरा मनेगा, जबकि खरड़ में शोभा यात्रा और 'रावण तांडव' पहले ही उत्सव का रंग जमा चुके हैं। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पंचकूला में 715 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने पार्किंग और ट्रैफिक डायवर्जन की भी पूरी तैयारी की है। लाखों लोग 'सत्य की विजय' का प्रतीक यह पर्व देखने उमड़ने वाले हैं।

H.T. City 3-10-25

Festivities in air: Fervour marks Dussehra celebrations in tricity

HT Correspondent
chandigarh@hindustantimes.com

Women celebrate Sindur Khela in Panchkula on Thursday. SANT ARORA/HT

CHANDIGARH: The ancient narrative of good triumphing over evil was celebrated with immense scale across the tricity on Thursday, as towering effigies of Ravana, Meghnad, and Kumbhkaran were set ablaze. The most prominent event saw Haryana chief minister Nayab Singh Saini igniting a colossal 180-foot Ravana effigy at the Shalimar Ground in Panchkula. While the venue drew a massive crowd of over 50,000, including 500 VIPs, the moment was marred by the effigies' failure to fully ignite, resulting in thick black smoke, a pungent smell, and Ravana's face and hands remaining intact despite organizers' claims of 5,000 firecrackers. Nonetheless, the CM contributed ₹11 lakh from his discretionary fund to the Mata Mansa Devi Charitable Trust. Heavy police deployment ensured security, though a 13-year-old boy was apprehended for snatching jewelry from three women, while a 10-year-old lost child was quickly reunited with his mother. Traffic around the venue remained largely under control despite heavy congestion.

UT administrator attends event in Sec 46

CHANDIGARH: In Chandigarh, the celebrations unfolded at Sector 46, Sector 17, Sector 34, Sector 28, Ramdarbar and Manimajra. The biggest spectacle took place at Sector 46, where effigies standing 100, 75 and 70-feet-tall were set ablaze in front of thousands of spectators.

UT administrator Gulab Chand Kataria and deputy commissioner Nishant Yadav attended Ramdarbar's Vishwakarma Dramatic Club and later presided over the show at Sector 46's Dussehra ground, where traditional performances drew a turnout of about 50,000 people. Other city grounds including Sector 22, Sector 32, Sector 27 and Sector 15 also hosted celebrations. Amid the controversy over Sector 30's Ravana effigy being set ablaze a night before Dussehra, the organisers tried to arrange a replacement at the last moment. Ashwani Bal, the dramatic club's general secretary, said they could only manage to procure Ravana's face on such short notice.

Member of Parliament (MP) Satnam Singh Sandhu participated as chief guest at Sector 38, Daddumajra, Sector 44 and vegetable market ground of Sector 49.

While addressing the public gathering, MP Satnam Singh Sandhu said "the construction of the Ram Mandir in Ayodhya has created a new excitement among Ram devotees. It has also inspired the younger generation to remain strong and connected to their roots and cultural values."

Mohali adds social message to festivities

MOHALI: The district celebrated Dussehra at 14 locations on Thursday. The main attraction at Sector-79 ground featured a 100-foot Ravana, 75-foot Meghnad, and 65-foot Kumbhkaran, joined by a 50-foot effigy symbolising corruption and drug abuse.

A striking replica of Ravana's Lanka was also set ablaze, adding a dramatic edge to the festivities.

The ceremony was inaugurated by local MLA Kulwant Singh, who ignited the effigies in the presence of SSP Harmandeep Singh Hans and DSP Harsimran Singh Bal. Floats brought from Delhi and Rajasthan, along with traditional cultural performances, drew large crowds.

The celebrations began with a colourful procession from the temple in Sector 80. Moving along Airport Road past CP-67 Mall, the procession culminated at Sector 79, where mock battles between Ravana and Hanuman's armies enthralled the audience.

Seating arrangements were made for thousands of spectators, many of whom turned up with families to watch the symbolic triumph of good over evil.

Indian Express 3-10-25

TALL, TALLER AND TALLEST

Effigy burning marks Dussehra in Tricity, ₹50 lakh goes up in flames

HINA ROHTAKI
CHANDIGARH, OCTOBER 2

Tricity's biggest effigy of Ravana, around 180 feet, along with effigies of Kumbhkarna and Meghnad set ablaze during Dussehra celebration in Sector 5, Panchkula, on Thursday. *Kamleshwar Singh*

AS MANY as Rs 50 lakh went up in flames as the Tricity set the evil effigies on fire on Dussehra.

While Panchkula's Ravana effigy of 180 feet made at a cost of over Rs 25 lakh was the tallest in the Tricity, Chandigarh's Sector 46 Ravana effigy of 101 feet was the tallest in Chandigarh.

Panchkula's Sector 5 Shalimar ground where the effigies were to be burnt began drawing crowds as early as 1 pm. The footpaths and pavements were completely choked by vendors — both food and cloth stalls to attract people — though the same created traffic chaos on the main artery road of Panchkula.

Sectors 5, 8, 9, 10 roads were all blocked in Panchkula as people from far-off places even walked up to the venue to see the tallest effigy.

About 25 quintals of iron, 50 kilograms of ropes, 3,000 bamboo poles have been used.

A sufficient circuit was left around the effigies to avoid any untoward incident.

However, after the event, heavy traffic congestion for at least two hours was witnessed near the venue.

Sector 46 which had Chandigarh's tallest effigy of 101 feet had new attractions this time. The effigy each cost Rs 2 lakh here. Overall event cost the organisers about Rs 7 lakh, which came from donations.

The committee's chief patron-cum-chairman Jatinder Bhatia said that this year they had special attractions, including Ravana's rotating head and face mounted on a chariot, a stream of nectar flowing from Ravana's navel, and the burning of effigies of Ravana, Meghnad, and Kumbhkarna were managed by remote control directly from the stage.

Bhatia said that their tallest effigy of Ravana in Chandigarh, at 101 feet, with effigies of Meghnad and Kumbhkaran standing 95 feet and 90 feet, had eco-friendly firecrackers.

The chief guest at the event was Chandigarh Administrator Gulab Chand Kataria. Deputy Commissioner of Chandigarh Nishant Kumar Yadav and Chief Engineer C B Ojha were special guests, while Professor Siddharth Sharma, vice-president of GGDSD College Society, Chandigarh, presided over the programme.

The committee also continued with its tradition of presenting the Chandigarh Ratna Award. This year's recipients were Dr Sandeep Bansal from PGIMER and Monica Sharma, principal of PML SD Public School, Chandigarh.

For children, cartoon characters like Mickey Mouse and Doraemon distributed toffees to children who were also gifted toy bows, maces, and swords.

A grand procession began from Sanatan Dharam Mandir, Sector 46, at 2:00 pm, passing through Sectors 46 and 45 before reaching the Dussehra ground at about 4:30 pm. The procession featured tableaus depicting episodes from the Ramayana and the life of Lord Ram. Before the burning of the effigies, temple priests chanted Vedic mantras.

Finally, effigies were set to flames in the evening with the remote control.

Heavy traffic congestion was witnessed after the event as the crowds disbursed.

Sector 17, Chandigarh, too witnessed thousands of people this Dussehra. Here the effigies were of 60 feet each. MP Kartikeya Sharma was the chief guest.

Sector 17 had the city's oldest Ramleela, organised since 1953 by Shree Ramleela Committee Parade Ground, Sector 17, that culminated into Dussehra event. The effigies and crackers together cost them Rs 3 lakh.

First, a procession was taken out which reached the venue and the effigy was set to flames.

The Parade Ground, Sector 17, draws more than a lakh people annually. Traffic congestion was witnessed with snarls for quite some time as crowds disbursed after the event.

In Chandigarh, Dussehra was held in sectors 34, 27 and other sectors as well.

ਜਗਬਾਣੀ 3/10/25

ਟਾਈਮ 'ਤੇ ਰਿਮੋਟ ਬੰਦ, ਫਿਰ ਤੀਲੀ ਨਾਲ ਹੰਕਾਰ ਸੁਆਹ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 2 ਅਕਤੂਬਰ (ਆਸ਼ੂਤੋਸ਼): ਟ੍ਰਾਈਸਿਟੀ 'ਚ ਦੁਸਹਿਰਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਮਨਾਇਆ ਗਿਆ। ਵੀਰਵਾਰ ਦੁਪਹਿਰ ਤੋਂ ਹੀ ਮੈਦਾਨਾਂ 'ਚ ਭੀੜ ਇਕੱਠੀ ਹੋ ਗਈ। ਪੰਚਕੂਲਾ 'ਚ ਟ੍ਰਾਈਸਿਟੀ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਉੱਚਾ 180 ਫੁੱਟ ਦਾ ਰਾਵਣ ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਅਗਨ ਭੇਟ ਨਾ ਹੋਇਆ। ਜਦੋਂ ਪੁਤਲੇ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਾਉਣ ਲਈ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਰਿਮੋਟ ਦਾ ਬਟਨ ਦਬਾਇਆ ਤਾਂ ਉਸ 'ਚ ਕੋਈ ਹਰਕਤ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਇਸ ਕਾਰਨ ਮਾਚਿਸ ਨਾਲ ਅੱਗ ਲਗਵਾਈ ਗਈ। ਸੈਕਟਰ-5 ਦੇ ਝਾਲੀਮਾਰ ਮੈਦਾਨ 'ਚ ਮੱਘਨਾਥ ਤੇ ਕੁੰਭਕਰਨ ਦੇ 100 ਫੁੱਟ ਉੱਚੇ ਪੁਤਲੇ ਵੀ ਸਾੜੇ ਗਏ। ਉੱਥੇ ਹੀ ਮੁੱਖ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ 'ਚ ਆਤਿਸ਼ਬਾਜ਼ੀ ਵੀ ਹੋਈ। ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 'ਚ 35 ਤੋਂ ਵੱਧ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਮੇਲੇ ਹੋਏ ਜਿਸ 'ਚ ਮੁੱਖ ਜਸ਼ਨ ਸੈਕਟਰ-46 ਤੇ ਸੈਕਟਰ-17 'ਚ ਹੋਇਆ। ਲੋਕ ਝਾਕੀਆਂ, ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਪ੍ਰੋਗਰਮਾਂ ਤੇ ਅਸਮਾਨ ਨੂੰ ਰੌਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਸ਼ਾਲ ਪੁਤਲਿਆਂ ਦੇ ਸੜਨ ਦਾ ਆਨੰਦ ਲੈਣ ਲਈ ਇਕੱਠੇ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ। ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਉੱਚੇ ਪੁਤਲੇ ਸੈਕਟਰ-46 ਮੰਡੀ ਗਰਾਊਂਡ 'ਚ ਬਣਾਏ ਗਏ, ਜਿੱਥੇ 101 ਫੁੱਟ ਉੱਚੇ ਰਾਵਣ, 90 ਫੁੱਟ ਮੇਘਨਾਥ ਅਤੇ 85 ਫੁੱਟ ਉੱਚੇ ਕੁੰਭਕਰਨ ਨੂੰ 'ਜੈ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ' ਦੇ ਜੈਕਾਰੇ ਲਾ ਕੇ ਸਾੜਿਆ ਗਿਆ। ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ 'ਚ ਲੋਕ ਮੌਜੂਦ ਰਹੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸੈਕਟਰ 40 ਤੇ 40ਬੀ, ਸੈਕਟਰ-49 ਗਰਾਊਂਡ, ਸੈਕਟਰ29 ਤੇ 29ਸੀ ਮਾਰਕੀਟ ਗਰਾਊਂਡ, ਸੈਕਟਰ 30, ਸੈਕਟਰ 34 ਗਰਾਊਂਡ ਸਣੇ ਹੋਰ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜੇ ਗਏ। ਸੁਰੱਖਿਆ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਪੁਲਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਨਿੱਜੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੀ ਗਈ ਸੀ। ਮੋਹਾਲੀ 'ਚ 5 ਮੁੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਮੇਲਾ ਹੋਇਆ। ਕਲਾ, ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਵੈੱਲਫੇਅਰ ਕਲੱਬ ਨੇ ਸੈਕਟਰ-79 'ਚ 100 ਫੁੱਟ ਰਾਵਣ ਦੇ ਪੁਤਲੇ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਲੰਕਾ ਨੂੰ ਅਗਨ ਭੇਟ ਕੀਤਾ। 75-75 ਫੁੱਟ ਉੱਚੇ ਕੁੰਭਕਰਨ, ਮੇਘਨਾਥ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਨਸ਼ਾ-ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਪੁਤਲਿਆਂ ਨੂੰ ਰਿਮੋਟ ਨਾਲ ਅੱਗ ਦੇ ਭੇਟ ਕੀਤਾ। ਦਿੱਲੀ ਅਤੇ ਰਾਜਸਥਾਨ ਤੋਂ ਆਈਆਂ ਝਾਕੀਆਂ ਖਿੱਚ ਦਾ ਕੇਂਦਰ ਬਣੀਆਂ ਰਹੀਆਂ। ਫੇਜ਼-1 'ਚ 35-35 ਫੁੱਟ ਦੇ ਰਾਵਣ, ਮੇਘਨਾਥ ਤੇ ਕੁੰਭਕਰਨ ਸਾੜੇ ਗਏ। ਸੈਕਟਰ-77 'ਚ 80 ਫੁੱਟ ਰਾਵਣ, 70-70 ਫੁੱਟ ਕੁੰਭਕਰਨ-ਮੇਘਨਾਥ ਦੇ ਪੁਤਲਿਆਂ ਤੋਂ, ਇਲਾਵਾ 70 ਫੁੱਟ ਦਾ ਪਹਿਲਗਾਮ ਹਮਲੇ ਦੇ ਅੱਤਵਾਦੀਆਂ ਦਾ ਪੁਤਲਾ ਸਾੜਿਆ ਗਿਆ।

ਫੋਟੋ : ਵਿਸ਼ਾਲ ਭੂਸ਼ਣ/ਫਿਜੇ/ਰਾਣਾ/ਪਰਮਜੀਤ

चंडीगढ़ समेत ट्राइसिटी में इस बार दशहरा उत्सव रोमांचक रहा प्रशासक चंडीगढ़ गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि थे

पैग़ाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़ (हरमिंदर नागपाल)

चंडीगढ़ में पूरे शहर में लगभग 75 स्थानों पर रावण, कुंभकर्ण, और मेघनाथ के 100-100 फुट ऊँचे पुतलों का दहन किया गया। सूचना के अनुसार, इन पुतलों को बनाने में 50 लाख रुपये की लागत आई थी। सबसे ऊँचा रावण का पुतला सेक्टर 46 में जलाया गया। श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी, सेक्टर 46 की ओर से मनाए गए दशहरा उत्सव में पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक, गुलाब चंद कटारिया, मुख्य अतिथि थे।

101 फुट का रावण, 95 फुट का मेघनाथ, तथा 90 फुट का कुंभकर्ण तैयार करवाया गया था। इस दशहरे पर मुख्य अतिथि

पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक, गुलाब चंद कटारिया, डीसी चंडीगढ़, निशांत यादव, व चीफ इंजीनियर, सी.बी. ओझा, विशेष अतिथि थे। होम सेक्रेटरी, मनदीप बराड़ को कोई काम आ पड़ने के कारण उनकी पत्नी ने उनके स्थान पर आकर रौनक बढ़ाई। पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक, गुलाब चंद कटारिया ने दशहरे के पवित्र अवसर पर बोलते हुए कहा, दशहरा पर्व पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि जीवन से बुराइयों को दूर करेंगे और समाज में अच्छाई, भाईचारे व प्रेम का संदेश फैलाएंगे। श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी, सेक्टर 46 की ओर से सराहनीय कार्य के लिए हर वर्ष चंडीगढ़ रत्न अवार्ड दिया जाता है। इस वर्ष पीजीआई के डॉक्टर, संदीप बंसल, व एस.डी. पब्लिक स्कूल, सेक्टर 32 की प्रिंसिपल, मोनिका शर्मा को चंडीगढ़ रत्न अवार्ड प्रशासक गुलाब चंद कटारिया द्वारा दिया गया। इसके अलावा, विशेष आतिशबाजी के साथ पुतलों का दहन किया गया। रामलीला कमेटी द्वारा निकाली गई शोभायात्रा सेक्टर 46 और सेक्टर 45 की गलियों से होती हुई वापस सेक्टर 46 के दशहरा ग्राउंड में समाप्त हुई। विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने पूरे रास्ते भक्ति भजनों का गायन किया, वहीं सोने की लंका और विशेष आतिशबाजी ने नजारा और भी आकर्षक बना दिया।

ਇਸ ਸਾਲ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਸਮੇਤ ਟ੍ਰਾਈਸਿਟੀ ਵਿੱਚ ਦੁਸਹਿਰੇ ਦੇ ਜਸ਼ਨ ਬਹੁਤ ਹੀ ਰੋਮਾਂਚਕ ਰਹੇ

ਪੈਗ਼ਾਮ-ਏ-ਜਗਤ/ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ
(ਹਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨਾਗਪਾਲ)

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ, ਸ਼ਹਿਰ ਭਰ ਵਿੱਚ ਲਗਭਗ 75 ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਰਾਵਣ, ਕੁੰਭਕਰਨ ਅਤੇ ਮੇਘਨਾਥ ਦੇ 100 ਫੁੱਟ ਉੱਚੇ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜੇ

- ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸਨ

ਗਏ। ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੁਤਲਿਆਂ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ 50 ਲੱਖ ਦੀ ਲਾਗਤ ਆਈ। ਰਾਵਣ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਉੱਚਾ ਪੁਤਲਾ ਸੈਕਟਰ 46 ਵਿੱਚ ਸਾੜਿਆ ਗਿਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਦੁਸਹਿਰਾ ਕਮੇਟੀ, ਸੈਕਟਰ 46 ਦੁਆਰਾ ਆਯੋਜਿਤ ਦੁਸਹਿਰਾ ਜਸ਼ਨਾਂ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸਨ। 101 ਫੁੱਟ ਦਾ ਰਾਵਣ, 95 ਫੁੱਟ ਦਾ ਮੇਘਨਾਦ ਅਤੇ 90 ਫੁੱਟ ਦਾ ਕੁੰਭਕਰਨ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਇਸ ਦੁਸਹਿਰੇ ਦੇ ਜਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਡੀਸੀ ਨਿਸ਼ਾਂਤ ਯਾਦਵ ਅਤੇ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਸੀ.ਬੀ. ਓਝਾ ਸ਼ਾਮਲ ਸਨ। ਗ੍ਰਹਿ ਸਕੱਤਰ ਮਨਦੀਪ ਬਰਾੜ ਦੀ ਪਤਨੀ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲੈ ਲਈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਕੁਝ ਕੰਮ ਸੀ।

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੇ ਦੁਸਹਿਰੇ ਦੇ ਸ਼ੁਭ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਕਿਹਾ, 'ਦੁਸਹਿਰੇ 'ਤੇ, ਸਾਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚੋਂ ਬੁਰਾਈ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚ ਚੰਗਿਆਈ, ਭਾਈਚਾਰੇ ਅਤੇ ਪਿਆਰ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼ ਫੈਲਾਉਣ ਦਾ ਪ੍ਰਣ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।'

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਰਤਨ ਪੁਰਸਕਾਰ' ਹਰ ਸਾਲ ਸ਼੍ਰੀ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਦੁਸਹਿਰਾ ਕਮੇਟੀ, ਸੈਕਟਰ 46 ਦੁਆਰਾ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕੰਮ ਲਈ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਲ, ਪੀਜੀਆਈ ਦੇ ਡਾਕਟਰ ਸੰਦੀਪ ਬਾਂਸਲ ਅਤੇ ਸੈਕਟਰ 32 ਦੇ ਐਸਡੀ ਪਬਲਿਕ ਸਕੂਲ ਦੀ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਮੋਨਿਕਾ ਸ਼ਰਮਾ ਨੂੰ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਦੁਆਰਾ 'ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਰਤਨ ਪੁਰਸਕਾਰ' ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਆਤਿਸ਼ਬਾਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜੇ ਗਏ। ਰਾਮਲੀਲਾ ਕਮੇਟੀ ਦੁਆਰਾ ਆਯੋਜਿਤ ਇਹ ਜਲੂਸ ਸੈਕਟਰ 46 ਅਤੇ ਸੈਕਟਰ 45 ਦੀਆਂ ਗਲੀਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਲੰਘਿਆ ਅਤੇ ਸੈਕਟਰ 46 ਦੇ ਦੁਸਹਿਰਾ ਗਰਾਊਂਡ ਵਿੱਚ ਵਾਪਸ ਸਮਾਪਤ ਹੋਇਆ। ਰਸਤੇ ਵਿੱਚ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਕੀਰਤਨ ਸਮੂਹਾਂ ਨੇ ਭਗਤੀ ਗੀਤ ਗਾਏ, ਜਦੋਂ ਕਿ 'ਸੋਨੇ ਕੀ ਲੰਕਾ' ਅਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਆਤਿਸ਼ਬਾਜ਼ੀ ਨੇ ਤਮਾਸ਼ਾ ਹੋਰ ਵੀ ਵਧਾ ਦਿੱਤਾ।

'हमारे अंदर बसे हैं भगवान श्री राम, जरूरत है उनके दिखाए मार्ग पर चलने की'

चंडीगढ़, 2 अक्तूबर (मीनाक्षी): भगवान श्री राम जी के आदर्श हमारे जीवन को सही दिशा देते हैं। भगवान श्री राम जी कहीं बाहर नहीं मिलता बल्कि भगवान श्री राम जी हम सबके अंदर है, बल्कि जरूरत है भगवान श्री राम जी के दिखाए मार्ग पर चलने की। यह कहना था पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया का।

सैक्टर-46 में स्थित सब्जी मंडी ग्राऊंड में आयोजित दशहरा पर्व को लेकर किए गए कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य मेहमान संबोधन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रामायण हमें यह सिखाती है कि धैर्य, मर्यादा, भाईचारे और सच्चाई के रास्ते पर चलकर ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। आज के इस पावन पर्व पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि अपने जीवन से बुराइयों को दूर करेंगे और समाज में अच्छाई, भाईचारे व प्रेम का संदेश फैलाएंगे।

इस भव्य आयोजन कमेटी के चीफ पैट्रन कम चेयरमैन जतिंद्र भाटिया ने सभी प्रभु भकोटन को दशहरे के बदहि दी और भगवान श्री राम जी के जीवन से सीख लेकर उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

विजयदशमी पर्व अच्छाई की जीत, एकता का प्रतीकः मल्होत्रा

चंडीगढ़, 2 अक्तूबर (अधीर रोहाल): भाजपा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा विभिन्न स्थानों पर आयोजित दशहरा कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मंच से सभी को विजयदशमी की हार्दिक बधाई देकर बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पर्व को समाज में सकारात्मक सोच और एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि विजयदशमी हमें संदेश देती है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, लेकिन सत्य और धर्म की ही अंतत विजय होती है। यह पर्व हमें अपने जीवन से नकारात्मकता, अन्याय और अहंकार को समाप्त कर अच्छाई, सत्य और सद्भावना को अपनाने की प्रेरणा देता है। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी नागरिकों के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह पावन पर्व हर घर में खुशहाली शांति और नई ऊर्जा लेकर आए। (फोटो:- परमजीत)

पंजाब केसरी 3/10/25

ਪੰਜਾਬੀ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ 3/10/25

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹੀਆਂ ਨੇ ਸ਼ਰਧਾ ਤੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਦਸਹਿਰਾ ਮਨਾਇਆ

ਰਾਵਣ, ਕੁੰਭਕਰਨ ਤੇ ਮੇਘਨਾਦ ਦੇ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜੇ; ਸੈਕਟਰ-46 'ਚ 101 ਫੁੱਟ ਦਾ ਰਾਵਣ ਫੂਕਿਆ

ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੇ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ

ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 2 ਅਕਤੂਬਰ

ਬਦੀ 'ਤੇ ਨੇਕੀ ਦੀ ਜਿੱਤ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਕ ਦਸਹਿਰਾ ਸਿਟੀ ਬਿਊਟੀਫੁੱਲ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ ਧੂਮਧਾਮ ਨਾਲ ਮਨਾਇਆ ਗਿਆ। ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਈਂ ਦੁਸਹਿਰਾ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਰਾਵਣ, ਮੇਘਨਾਦ ਅਤੇ ਕੁੰਭਕਰਨ ਦੇ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜੇ ਗਏ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਝਾਕੀਆਂ ਕੱਢੀਆਂ ਗਈਆਂ ਅਤੇ ਸੂਰਜ ਢਲਦਿਆਂ ਹੀ ਪੁਤਲਿਆਂ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਈ ਗਈ। ਸ਼ਹਿਰ ਦੀਆਂ ਮਾਰਕੀਟਾਂ ਵਿੱਚ ਖਰੀਦੋ-ਫਰੋਖ਼ਤ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭੀੜ ਲੱਗੀ ਰਹੀ। ਸੈਕਟਰ 46 ਵਿੱਚ ਕਰਵਾਏ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ 101 ਫੁੱਟ ਉੱਚੇ ਰਾਵਣ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਈ ਗਈ ਜਿੱਥੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨਿਸ਼ਾਂਤ ਯਾਦਵ ਵੀ ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੌਜੂਦ ਸਨ। ਸ੍ਰੀ ਕਟਾਰੀਆ ਨੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿਜੈ-ਦਿਵਸ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਅਧਰਮ 'ਤੇ ਧਰਮ ਦੀ ਜਿੱਤ ਦੱਸਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਰਾਵਣ ਭਾਵੇਂ ਸ਼ਿਵ ਜੀ ਦਾ ਭਗਤ ਸੀ ਅਤੇ ਸ਼ਸਤਰ ਵਿੱਦਿਆ ਦਾ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਵਿਦਵਾਨ ਸੀ ਪ੍ਰੰਤੂ ਉਸ ਵਿੱਚ ਸਿਰਫ਼ ਇੱਕ ਬੁਰਾਈ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਅੱਜ ਪੂਰਾ ਦੇਸ਼ ਉਸ ਦੇ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸੈਕਟਰ 17, 24, 27, 29, 30, 34, 41, 43, 48 ਆਦਿ ਵਿਖੇ ਵੀ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮ ਕਰਵਾਏ ਗਏ। ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲੀਸ ਵੱਲੋਂ ਸਖ਼ਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਵਿੱਚ ਵੀ ਪੁਲੀਸ ਵੱਲੋਂ ਨਿਗਾਹ ਰੱਖੀ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ। ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਪੁਲੀਸ ਵੱਲੋਂ ਵੀ ਆਪਣੀ ਵੱਖਰੀ ਡਿਊਟੀ ਨਿਭਾਉਂਦਿਆਂ ਸ਼ਹਿਰ ਨਿਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਸਾਈਬਰ ਅਪਰਾਧਾਂ ਅਤੇ ਨਿੱਤ ਦਿਨ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਵੱਖੋ-ਵੱਖਰੇ ਢੰਗਾਂ ਦੀਆਂ ਧੋਖਾਧੜੀਆਂ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਜਾਗਰੂਕ ਵੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਸੈਕਟਰ-46 ਵਿੱਚ ਰਾਵਣ, ਮੇਘਨਾਦ ਤੇ ਕੁੰਭਕਰਨ ਦੇ ਸੜਦੇ ਹੋਏ ਪੁਤਲੇ। -ਫੋਟੋ: ਪਰਦੀਪ ਤਿਵਾੜੀ

ਬੁਰਾਈ 'ਤੇ ਚੰਗਿਆਈ ਦੀ ਜਿੱਤ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਕ ਹੈ ਦਸਹਿਰਾ: ਵਿੱਜ

ਅੰਬਾਲਾ (ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ): ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਊਰਜਾ, ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਤੇ ਕਿਰਤ ਮੰਤਰੀ ਅਨਿਲ ਵਿੱਜ ਨੇ ਅੰਬਾਲਾ ਛਾਉਣੀ ਵਿੱਚ ਰੇਲਵੇ ਕਲੋਨੀ, ਤੋਪਖਾਨਾ ਬਾਜ਼ਾਰ, ਦਸਹਿਰਾ ਗਰਾਊਂਡ ਅਤੇ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਕਲੋਨੀ ਵਿੱਚ ਕਰਵਾਏ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮਾਂ ਉਤਸਵਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵਿਜੈਦਸ਼ਮੀ ਦੀਆਂ ਵਧਾਈਆਂ ਦਿੰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਪੁਰਾਣੀ ਪਰੰਪਰਾ ਬੁਰਾਈ 'ਤੇ ਚੰਗਿਆਈ ਦੀ ਜਿੱਤ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਕ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਕਿ ਰੇਲਵੇ ਰੋਡ ਨਾਚਘਰ ਦਸ਼ਹਿਰਾ ਕਮੇਟੀ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮਲੀਲਾ ਨਾਟਕ ਸਮਾਜ ਤੋਪਖਾਨਾ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ 5-5 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਅਤੇ ਬਜਾਜਾ ਬਾਜ਼ਾਰ ਦੀ ਰਾਮਲੀਲਾ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਾਸ਼ੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਭਾਵੇਂ ਬਾਰਿਸ਼ ਹੋਈ ਪਰ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦੇਖਣਯੋਗ ਸੀ। ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਥਾਨਾਂ 'ਤੇ ਰਾਵਣ, ਕੁੰਭਕਰਨ ਤੇ ਮੇਘਨਾਦ ਦੇ ਪੁਤਲੇ ਸਾੜ ਕੇ ਭਗਵਾਨ ਰਾਮ ਦੀ ਜਿੱਤ ਦਾ ਜਸ਼ਨ ਮਨਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸੀਈਓ ਕੈਂਟ ਬੋਰਡ ਰਾਹੁਲ ਆਨੰਦ, ਅਜੈ ਬਵੇਜਾ, ਰਵੀ ਬੁੱਧੀਰਾਜਾ, ਸੰਜੀਵ ਜਿੰਦਲ, ਕੈਲਾਸ਼ ਧੀਰ, ਸਦੀਪ ਜਿੰਦਲ ਸਮੇਤ ਕਈ ਪਤਵੰਤੇ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਮੇਅਰ ਵੱਲੋਂ ਸੈਕਟਰ 24, 27 ਤੇ 29 ਦੇ ਸਮਾਗਮਾਂ 'ਚ ਸ਼ਿਰਕਤ

ਮੇਅਰ ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਬਬਲਾ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਕਲਾਕਾਰਾਂ ਨਾਲ।

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਰਾਜ ਸਭਾ ਮੈਂਬਰ ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਨੇ ਸੈਕਟਰ 38 (ਡੱਡੂਮਾਜਰਾ), ਸੈਕਟਰ 44 ਅਤੇ 49 ਵਿੱਚ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਰਾਵਣ ਦੇ ਪੁਤਲੇ ਨੂੰ ਅੱਗ ਵੀ ਲਗਾਈ। ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਦੇ ਮੇਅਰ ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਬਬਲਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਸਾਬਕਾ ਕੌਂਸਲਰ ਦਵਿੰਦਰ ਬਬਲਾ ਨਾਲ ਸੈਕਟਰ 24, 27 ਅਤੇ ਸੈਕਟਰ 29 ਦੇ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ। ਭਾਰਤੀ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਰਜਕਾਰਨੀ ਮੈਂਬਰ ਸੰਜੇ ਟੰਡਨ ਨੇ ਮਲੋਆ, ਧਨਾਸ ਅਤੇ ਸੈਕਟਰ 24 ਸਣੇ ਹੋਰ ਕਈ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਦਸਹਿਰਾ ਸਮਾਗਮਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਦਸਹਿਰੇ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ।

ਮੁੱਲਾਂਪੁਰ ਗਰੀਬਦਾਸ (ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ): ਦਸਹਿਰੇ ਮੌਕੇ ਅੱਜ ਪਿੰਡ ਮੁੱਲਾਂਪੁਰ ਗਰੀਬਦਾਸ, ਨਵਾਂ ਗਰਾਉਂ ਵਿੱਚ ਰਾਮ ਲੀਲਾ ਕਮੇਟੀਆ ਅਤੇ ਕਲੱਬਾਂ ਵੱਲੋਂ ਦਿਨ ਛਿਪਣ ਵੇਲੇ ਰਾਵਣ, ਮੇਘਨਾਦ ਤੇ ਕੁੰਭਕਰਨ ਦੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕੇ ਆਤਿਸ਼ਬਾਜ਼ੀ ਨਾਲ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਪੁਤਲਿਆਂ ਨੂੰ ਅਗ ਲਗਾਈ ਗਈ। ਦਸਹਿਰੇ ਦੀਆਂ ਝਾਕੀਆਂ ਦੇਖਣ ਲਈ ਪਹੁੰਚੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਵੱਡਾ ਇਕੱਠ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ। ਇਸੇ ਦੌਰਾਨ ਕਈ ਉਭਰਦੇ ਗਾਇਕਾਂ ਨੇ ਆਪੋ ਆਪਣੇ ਗੀਤ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਮਨੋਰੰਜਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸਮਾਜ ਸੇਵੀ ਤੇ ਭਾਜਪਾ ਸਪੋਰਟ ਸੈੱਲ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਰਵੀ ਸ਼ਰਮਾ ਮੁੱਲਾਂਪੁਰ ਗਰੀਬਦਾਸ, ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਆਗੂ ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਤੇ ਸਤਵੀਰ ਸਿੰਘ ਸੱਤੀ, ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਹਲਕਾ ਖਰੜ ਤੋਂ ਇੰਚਾਰਜ਼ ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ ਟਿੰਕੂ ਸ਼ਰਮਾ,ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ ਤੋਂ ਬਲਾਕ ਪ੍ਰਧਾਨ ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ ਪਾਲਾ ਮੁੱਲਾਂਪੁਰ ਗਰੀਬਦਾਸ ਤੇ ਜਗਦੀਪ ਸਿੰਘ ਜੱਗੀ ਕਾਦੀਮਾਜਰਾ, ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਗਈ।

भगवान श्री राम के जयकारों के बीच सेक्टर 46 में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों को किया अग्नि भेंट

राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने रिमोट से पुतलों को अग्नि भेंट किया

समर्थ बंधु

चंडीगढ़। (प्रोसन बर्मन)

भगवान श्रीराम के आदर्श हमारे जीवन को सही दिशा देते हैं। भगवान श्री राम कहीं बाहर नहीं मिलता बल्कि भगवान श्री राम हम सबके अंदर है,बल्कि जरूरत है भगवान श्री राम के दिखाए मार्ग पर चलने की।

यह कहना है पंजाब के राजयपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया का, वह यहां सेक्टर 46 में स्थित सब्जी मंडी ग्राउंड में आयोजित दशहरा पर्व को लेकर किये गए कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य मेहमान संबोधन कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि रामायण हमें यह सिखाती है कि धैर्य, मर्यादा, भाईचारे और सच्चाई के रास्ते पर चलकर ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। आज के इस पावन पर्व पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि अपने जीवन से बुराइयों को दूर करेंगे और समाज में अच्छाई, भाईचारे व प्रेम का संदेश फैलाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज का दिन अत्यंत विशेष है, क्योंकि यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। दशहरे का संदेश है कि चाहे बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसका नाश निश्चित है और सत्य व धर्म की हमेशा जीत होती है।

श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी सेक्टर 46 चडीगढ़ की ओर सेक्टर 46 के दशहरा ग्राउंड में किए जा रहे इस भव्य आयोजन कमेटी के चीफ पैट्रन कम चेयरमैन जतिन्दर भाटिया ने सभी प्रभु भकोटन को दशहरे के बदहि दी और भगवान श्री राम के जीवन से सीख लेकर उनके द्वारा दिखये गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस 28वे आयोजन में इस बार सोने की लंका दहन के साथ साथ रावण दहन के दौरान रथ पर सवार रावण के पुतले की घूमती हुई गर्दन व चेहरा और नाभि में से निकलती हुई अमृत कुंड की धारा तथा स्टेज से ही रावण, मेघनाद और कुम्भ कर्ण के पुतलों को रिमोट से अग्नि देना खास आकर्षण का केंद्र रहेप कार्यक्रम में पंजाब के राजयपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया बतौर मुख्य मेहमान उपस्थित हुए और इनके इलावा चंडीगढ़ के उपायुक्त निशांत कुमार यादव (आईएएस) तथा प्रशासन के चीफ इंजीनियर सीबी ओझा बतौर विशेष मेहमान उपस्थित हुए तथा इसके साथ ही जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी चंडीगढ़ के उपाध्यक्ष प्रोफेसर सिदार्थ शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

जीजीडीएसडी कालेज सेक्टर 32 चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डाक्टर अजय कुमार, चंडीगढ़ के पूर्व चीफ इंजीनियर किशनजीत सिंह, हाईटेक ग्रुप ऑफ कंपनीज के आरएस सचदेवा, चंडीगढ़ के पूर्व चीफ इंजीनियर वीके भारद्वाज, पीजीआई के यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रमुख डाक्टर संतोष कुमार तथा चंडीगढ़ के पूर्व चीफ इंजी. नियर एसके चड्ढा बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर उपस्थित हुए।

दशहरा कमेटी की ओर से सराहनीय कार्यों को लेकर दशहरा कमेटी की ओर से हर साल दिए जाने वाले चंडीगढ़ रत्न अवार्ड की कड़ी के तहत इस साल पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के डाक्टर संदीप बांसल तथा पीएमएल एसडी पब्लिक स्कुल चंडीगढ़ की प्रिंसिपल मोनिका शर्मा को चंडीगढ़ रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। आयोजन स्थल पर बनाये गए विशेष मंच से भगवान श्री राम और भगवान श्री हमुमान जी के भजन प्रस्तुत किये गएप इसके साथ ही मंच पर सेक्टर 46 की श्री बद्री केदार रामलीला कमेटी के कलाकारों की ओर से पेश किये जाने वाले परशुराम– श्री राम संवाद, रावण– श्री राम संवाद और श्री हनुमान–रावण संवाद भी दर्शको को खास आकर्षित का केंद्र रहे ।

दशहरा कमेटी की ओर से दशहरा मेले में आने वाले बच्चों को टॉफियां बाँटेंगे और मेले में बच्चों को तीरकमान, गदा तथा तलवारें आदि खिलौने भी बांटे गए। रावण दहन से पहले सेक्टर 46 के श्री सनातन धर्म मंदिर के पुजारी पंडित राहुल जी, पंडित गोपाल जी, पंडित हरी कृष्ण जी और पंडित शैलेन्द्र जी की ओर से मंत्रण उच्चारण किया जायेगा। किसी आपातकाल स्थित से निपटने के लिए चंडीगढ़ नगर निगम के फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ साथ पार्क हॉस्पिटल मोहाली की टीम एंबुलेंस की साथ पुरे कार्यक्रम के दौरान तैनात रही।

उन्होंने बताया कि इस पुरे आयोजन का कई चौनलों चौनल के साथ साथ युट्यूब चौनल पर लाइव प्रसारण किया गया तांकि जो लोग किसी वजह से आयोजन स्थल पर ना पहुंच सकेप श्री दशहरा कमेटी के चीफ पैट्रन कम चेयरमैन जतिन्दर भाटिया ने बताया कि उनकी कमेटी की ओर से पिछले 27 वर्षो से दशहरा मनाया जा रहा है। और उनका 28वां आयोजन है उन्होंने बताया की उनके यहां खास आकर्षण तथा विशेष प्रबंधों के चलते ट्राइसिटी में से सबसे ज्यादा लोग उनके यहां देखने पहुँचते है।